पर्यावरण और हम

भाग–3

कक्षा – 5

सत्यमेव जयते

6P7RH4

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, द्वारा विकसित)

बिहार स्टेट टेक्स्ट बुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना द्वारा मुद्रित

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

DIKSHA ऐप कैसे डाउनलोड करें ?

विकल्प 1: अपने मोबाइल ब्राउज़र पे **diksha.gov.in/app** टाइप करें|
विकल्प 2: अपने एंड्राइड मोबाइल के Google Playstore पर DIKSHA NCTE खोजें और "डाउनलोड" बटन को दबाएँ |

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल पाठ्य सामग्री कैसे प्राप्त करें

DIKSHA ऐप लॉन्च करें | ऐप अनुमतियों को स्वीकारें | उपयुक्त उपयोगकर्ता प्रोफ़ाइल का चयन करें

1 पाठ्यपुस्तकों में QR कोड स्कैन करने के लिए DIKSHA ऐप में दिए गए QR कोड आइकॉन को टेप करें |

2 डिवाइस को QR कोड की दिशा में इंगित करें और QR कोड के ऊपर केंद्रित करें |

3 सफल स्कैन पर , QR कोड से जुड़ी डिजिटल पाठ्य सामग्री सूचीबद्ध है |

डेस्कटॉप पर DIAL कोड का उपयोग कर डिजिटल पाठ्य सामग्री कैसे प्राप्त करें

1 पाठ्यपुस्तक में QR के निचे 6 अंको का एक कोड रहता है जिसे DIAL कोड कहते हैं |

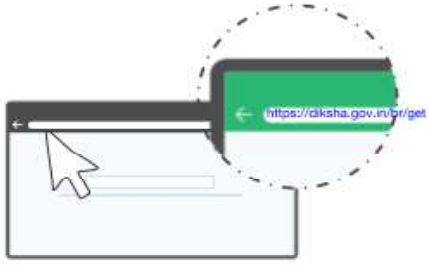

2 ब्राउज़र पर **diksha.gov.in/br/get** टाइप करें |

3 सर्च बार में 6 अंको का DIAL कोड टाइप करें |

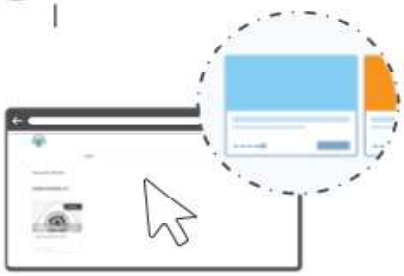

4 सभी उपलब्ध पाठ्य सामग्री की सूचि देखिए और किसी भी नए पाठ्य सामग्री को क्लिक करें और देखें |

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

दिशा बोध–सह–पाठ्यपुस्तक विकास समन्वय समिति

- **श्री राहुल सिंह,** राज्य परियोजना निदेशक,
  बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **श्री रामशरणागत सिंह,** संयुक्त निदेशक,
  शिक्षा विभाग, बिहार सरकार
- **श्री अमित कुमार,** सहायक निदेशक,
  प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बिहार सरकार
- **डॉ. श्वेता सांडिल्य,**
  शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ, पटना
- **श्री हसन वारिस,** निदेशक,
  एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **श्री मधुसूदन पासवान,** कार्यक्रम पदाधिकारी,
  बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **डॉ. एस.ए. मुईन,** विभागाध्यक्ष
  एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी,** प्राचार्य
  मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

पाठ्य–पुस्तक विकास समिति

विषय–विशेषज्ञ

श्रीमती स्निग्धा दास, साधनसेवी, विद्याभवन सोसायटी, उदयपुर, राजस्थान।
डॉ. समीर कुमार वर्मा, विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान, एच. डी. जैन महाविद्यालय, आरा।

लेखक–सदस्य

श्री अशोक कुमार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय नगदेवा, बरहट, जमुई
श्री विकास कुमार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय ,बसवुटिया–01 चन्द्रमंडीह ,जमुई
मो. जाहिद हुसैन, मध्य विद्यालय नूरसराय संगत, नूरसराय,नालंदा
मो. असदुल्लाह हैदर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भोपतपुर, आरा (भोजपुर),
डा. यशोधरा कनेरिया, विद्या भवन सोसायटी, उदयपुर, राजस्थान
कुमारी शालिनी देवी, विद्या भवन सोसायटी, उदयपुर, राजस्थान

समन्वयक

श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, एस. सी. ई. आर. टी., पटना

समीक्षक

श्री जी. भी. एस. आर. प्रसाद
पूर्व निदेशक, डायट, राँची, महाविद्यालय, पटना
डॉ. चन्द्रावती, विभागाध्यक्ष, जैव तकनीकी, ए. एन. महाविद्यालय, पटना

आभार : यूनिसेफ, बिहार

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions Empowering Technologies...

आमुख

प्रस्तुत पुस्तक 'पर्यावरण और हम' भाग–3 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा –2008 के मार्गदर्शी सिद्धान्तों के आलोक में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पर्यावरण शिक्षा संबंधी निर्देश के अनुसार राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों हेतु पर्यावरण अध्ययन शृंखला की अंतिम पुस्तक है।

प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण एक स्वतंत्र एवं समेकित विषय के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें विज्ञान और समाज के विषयगत द्वन्द्व तथा उनके स्वतंत्र सत्ता में बिना उलझे, उनकी परस्पर पूरकता के प्रति संवेदनशील एवं एकीकृत अध्ययन को उभारने की सचेष्ट कोशिश की गई है।

बच्चों का अनुभव जगत पाठों की रचना का आधार है, जहाँ से वे अपनी वैचारिक यात्रा प्रारंभ करते हैं तथा अपने परिवार, समाज, देश एवं दुनिया के प्रति अपनी समझ विकसित करते हैं। पाठ्यपुस्तक में संयोजित की गईं विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से न केवल अवलोकन, प्रेक्षण, मापन, अनुमान लगाना, नक्शों की समझ आदि कौशल विकसित करने में सहायक हैं, वरन् कार्य– कारण संबंध, तर्क, विश्लेषण, संश्लेषण, निष्कर्ष निकालने हेतु क्षमतावान भी बनाएँगी।

प्रस्तुत पुस्तक के अध्ययनोपरांत बच्चे इस योग्य हो सकेंगे कि अपने निकटतम पर्यावरण में घटित हो रही घटनाओं के प्रति वे केवल मूक साक्षी न रहेंगे, बल्कि उक्त घटना क्यों हुई, घटना के पीछे क्या कारण है, किस कारक ने घटना पर कौन–सा प्रभाव डाला आदि बिन्दुओं का पूर्वाग्रह मुक्त विश्लेषण कर अपनी राय कायम कर सकेंगे।

पुस्तक की रचना इस प्रकार की गई है कि बच्चे इसे जहाँ से चाहें, जैसे चाहें, जब चाहें, जी भर कर उपयोग कर सकते हैं। पुस्तक उन्हें बाँधती नहीं वरन् ज्ञान के अनजान क्षितिज की ओर उन्मुक्त उड़ान भरना सिखाती है, जहाँ जिज्ञासा ही उनका सहारा है, खोजी–प्रवृत्ति ही उनका साथी है, समाधान ही उनका संधान है।

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions Empowering Technologies...

स्वाभाविक रूप से यह पाठ्यपुस्तक विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा आयोजित किए जाने वाले क्रियाकलापों/शैक्षिक अनुभवों के लिए उपयोगी होगी। पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम में निहित दर्शन तभी साकार हो सकेंगे, जब बच्चे, शिक्षक और अभिभावक सभी मिल–जुलकर ज्ञान की रचना में अपनी भूमिका की तलाश कर सक्रिय भागीदारी निभाएँगे।

अपेक्षा है कि शिक्षक एवं अभिभावक बच्चों पर भरोसा कर उन्हें प्रकृति एवं परिवेश को समझने–बूझने, उससे खेलने, छेड़–छाड़ करने तथा जानने–समझने की स्वतंत्रता देंगे ताकि वे नित नवीन ज्ञान की खोज में प्रयत्नशील रह सकें।

प्रस्तुत पुस्तक निर्माण में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना तथा अन्य संस्थाओं के विषय–विशेषज्ञों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। पुस्तक के लेखकगण, विषय–विशेषज्ञ, समन्वयक एवं एस.सी.ई.आर.टी. के संकाय सदस्य बधाई के पात्र हैं; जिनके अथक प्रयत्न के फलस्वरूप पुस्तक इस स्वरूप में उभरकर आ सकी है।

पूरे वर्ष भर प्रदेश के प्रारंभिक विद्यालयों में इस पुस्तक से पठन–पाठन के पश्चात् शिक्षकों एवं विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त सुझावों के आलोक में विषय–विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों द्वारा समीक्षोपरांत पुस्तक का परिमार्जित स्वरूप प्रस्तुत है।

इस पुस्तक के उपयोग करनेवाले सभी विद्यार्थियों, ि ाक्षकों, अभिभावक एवं ि ाक्षाविदों से आग्रह है कि पुस्तक को देखें–समझें–परखें और इसे बेहतर बनाने हेतु अपने अमूल्य विचारों से हमें अवगत कराएँ।
आपके सुझावों और विचारों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

हसन वारिस
निदे ाक
राज्य ि ाक्षा भाोध एवं प्रि ाक्षण संस्थान, पटना

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions Empowering Technologies...

पाठ–सूची

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	पटना से नाथुला तक	1–10
2.	खेल	11–20
3.	बीजों का बिखरना	21–26
4.	मेरा बगीचा	27–35
5.	ऐतिहासिक स्मारक	38–43
6.	सिंचाई के साधन	44–48
7.	जितना खाओ उतना पकाओ	49–52
8.	रॉस की लड़ाई मलेरिया के संग	53–56
9.	मैंने नक्शा बनाया	58–62
10.	हमारी फसलें हमारा खान–पान	63–71
11.	जन्तु जगत सुरक्षा संरक्षण	72–77
12.	मान गए लोहा	78–81
13.	पानी और हम	85–92
14.	सूरज एक काम अनेक	93–97
15.	हमारा जंगल	98–102
16.	चलो सर्वे करें	103–108
17.	रामू काका की दुकान	112–115
18.	आवास	116–120
19.	तरह–तरह के व्यवसाय	121–124
20.	रायपुर वाले चाचा की शादी	125–133
21.	लकी जब बीमार पड़ा	135–138
	खेल–खेल में	
	कागज मज़बूत या कमज़ोर	36–37
	हवा के खेल	57
	पक्षियों से दोस्ती	82–84
	वर्ग पहेली	109–111
	रंग बदलती हल्दी	134

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...